

222

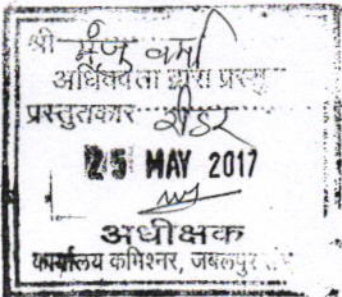
समक्ष: न्यायालयश्रीमान राजस्व मण्डल ग्वा लियर/ जबलपुर, म.पु.

निगरानी प्रकरण क्रमांक...../2017

I/निगरानी/कटनी/भू.राज/2017/1684

1. लाल राम नरेन्द्र सिंह बघेल पिता स्व. लाल त्रिभुवन प्रताप सिंह,
 2. श्रीमती कुष्मा सिंह पति विजय बहादुर सिंह चंदेल
- द्वारा ब्रह्मेन्द्र सिंह बघेल पिता लाल राम नरेन्द्र सिंह बघेल,
दोनो निवासी ग्राम दुर्जनपुर तहसील विजयराघवगढ, जिला कटनी

343



xx बनाम xx

----- आवेदकगण

मध्य प्रदेश शासन

द्वारा कलेक्टर महोदय कटनी म.पु.

----- अनावेदक

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.पु.भू-राजस्व संहिता के तहत.

आवेदक गणों की ओर से निवेदन है कि -

यह कि माननीय न्यायालय के अधीनस्थ विद्वान विचारण न्यायालय श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी विजयराघवगढ, जिला कटनी म.पु. के द्वारा प्रकरण क्रमांक 371/बी- 121/14-15 मे पक्षकार लाल राम नरेन्द्र सिंह बघेल विरुद्ध म.पु.शासन में दारित आदेश दिनांक 30.3.2017 से व्यथित होकर निम्नलिखित तथ्यों एवं आधारों पर यह निगरानी माननीय न्यायालय के समक्ष आवेदकगण अनावेदक के विरुद्ध प्रस्तुत करते है :-


// निगरानी के तथ्य //

1. यह कि माननीय विद्वान विचारण न्यायालय माननीय अनुविभागीय अधिकारी विजयराघवगढ जिला कटनी म.पु. के समक्ष ग्राम दुर्जनपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 778, रकबा 0.92, एवं खसरा नंबर 380 रकबा 0.25 हे. जिसका कुल रकबा 1.17 हे. भूमि जिला पर आम, बगीचा राजस्व अभिलेख में दर्ज चला आ रहा है ।

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक एक / निगरानी / कटनी / 1684 / 2017 / भू.रा.

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमाओं आदि के हस्ताक्षर
२५-2.19	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री मंजू वर्मा उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता के तर्क सुने तथा प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन किया। अध्ययन से प्रतीत होता है कि इस न्यायालय में आवेदक अधिवक्ता द्वारा अनुविभागीय अधिकारी विजयराघवगढ़/बरही जिला कटनी के प्रकरण क्रमांक 371/बी-121/2014-15/ में पारित आदेश दिनांक 30.3.2017 के विरुद्ध म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- म० प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 में वर्ष 2018 में किये गये संशोधन प्रभावी दिनांक 25.9.18 के अनुसार संहिता की धारा 50 (2) इस प्रकार है:-</p> <p>धारा-50 (2) पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन-</p> <p>(ख) इस संहिता के अधीन प्रथम अपील में पारित किसी अंतिम आदेश के विरुद्ध ग्रहण नहीं किया जावेगा।</p> <p>3-परिणामस्वरूप इस न्यायालय में संचालित नहीं होने के कारण प्रकरण अपर आयुक्त जबलपुर संभाग जबलपुर के न्यायालय में स्थानांतरण किया जाता है तथा पक्षकार दिनांक 15/04/19 को उपस्थित हों।</p> <p>पेशी दिनांक 29/4/19</p> <p><u>अपर आयुक्त जबलपुर संभाग जबलपुर</u></p>	 <p>सदस्य</p>